रसायन तन्त्र आयुर्वेद के मुख्य आठ अंगों में से एक है। यह अनुपम रसायन चिकित्सा बहुसंख्यक, एकल तथा मिश्रित औषधि है जो कि मानव शरीर पर विविध क्रिया उत्पन्न करती है। अकालिक आयु के अनुचित प्रभाव का निवारक है, एवं स्वास्थ्य का संवर्द्धन एवं रोग मुक्ति के विशिष्ट स्थिति में भी प्रयोग की जाती है।

विस्तृत जानकारी हेतु सम्पर्क करें:

महानिदेशक
केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्
जवाहर लाल नेहरू भारतीय चिकित्सा एवं होम्योपैथी अनुसंधान भवन
61-65 संस्थानिक क्षेत्र, 'डी' ब्लाक के सामने, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
फोनः +91-11-28525520 / 28524457, फैक्सः +91-11-28520748
ई–मेल : dg-ccras@nic.in
वेबसाइट : www.ccras.nic.in / www.indianmedicine.nic.in

© सी.सी.आर.ए.एस. 2014
यह दस्तावेज केवल प्रचार, प्रसार एवं वितरण हेतु तैयार किया गया है, व्यावसायिक उपयोग के लिए नहीं। इस सामग्री का पुनरूपयोग सी.सी.आर.ए.एस. से अनुमति लेने के बाद ही किया जा सकता है।

रसायन

बेहतर स्वास्थ्य हेतु एक अनुपम आयुर्वेदिक खोज

गुडूची
(*Tinospora Cordifolia*)

आमलकी
(Emblica officinalis)

अश्वगन्धा
(Withania somnifera)

ब्राह्मी
(Bacopa monnieri)

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्
आयुष मंत्रालय
(आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)
भारत सरकार

रसायन
बेहतर स्वास्थ्य हेतु एक अनुपम आयुर्वेदिक खोज

रसायन के लाभ

- ★ दीर्घायु
- ★ स्मरण शक्ति एवं तेजस्विता बढ़ाता है।
- ★ रोग से मुक्ति
- ★ यौवन
- ★ परमश्रेष्ठ कांति
- ★ शारीरिक गठन एवं वाच्य
- ★ शरीर एवं इन्द्रियों को बल प्रदान करता है।
- ★ शारीरिक चमक

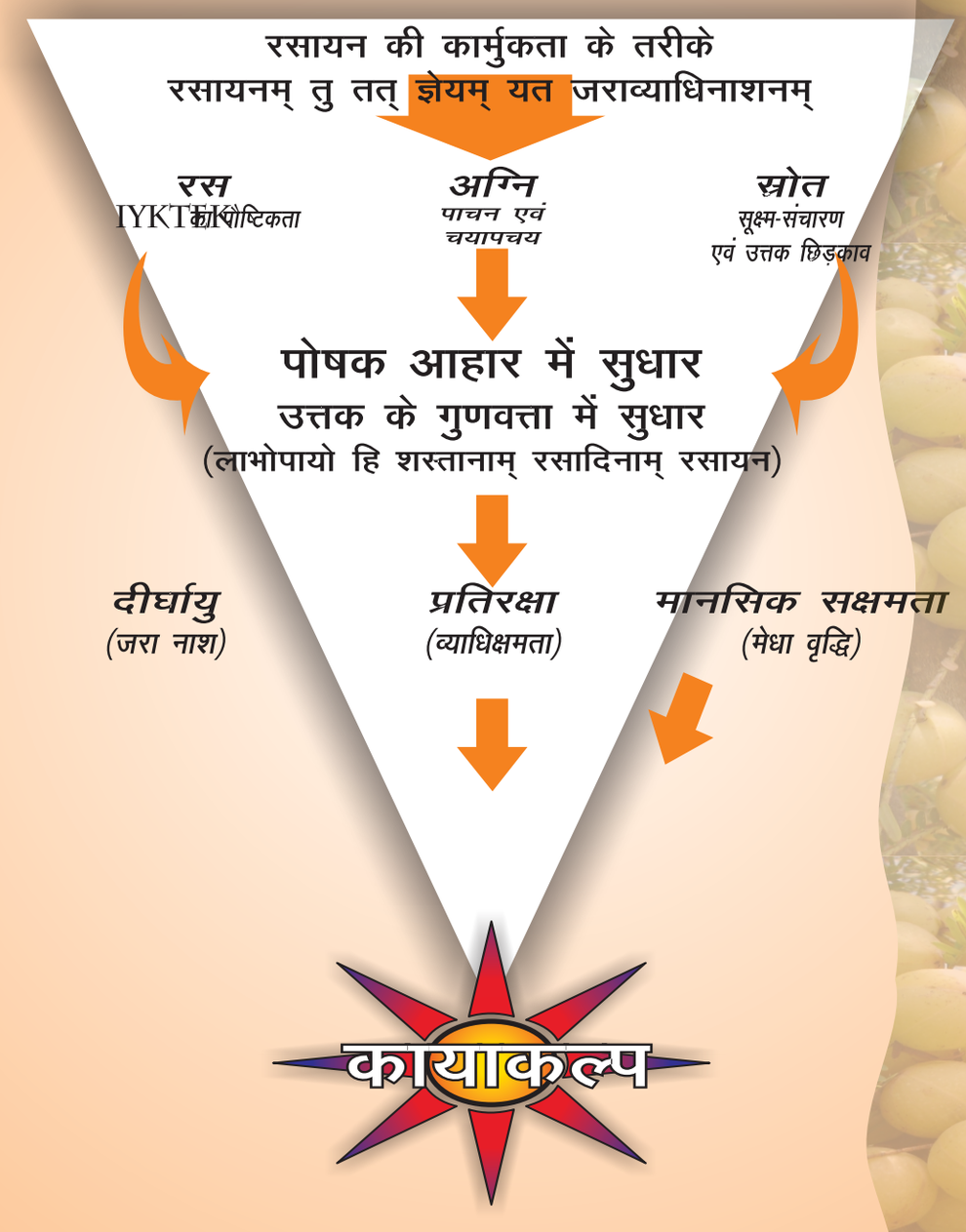

रसायन
बेहतर स्वास्थ्य हेतु एक अनुपम आयुर्वेदिक खोज